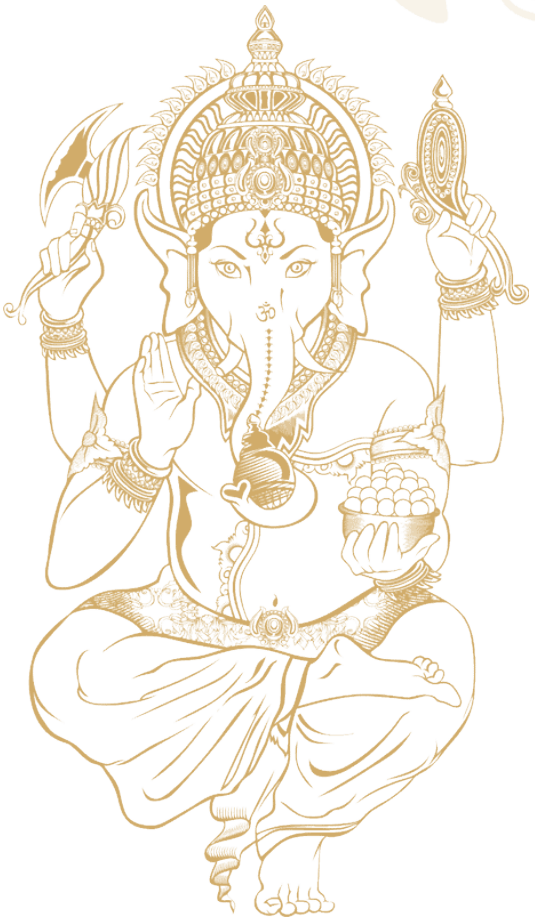

A

04 Feb 1983

04:00 AM

Babu Bheri

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/02/1983**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	54:19:13 घटी
स्थान	**Babu Bheri**
देश	India

अक्षांश	22:51:00 उत्तर
रेखांश	88:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:22:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:22:56 घंटे
वेलान्तर	-00:13:49 घंटे
साम्पातिक काल	13:17:04 घंटे
सूर्योदय	06:16:18 घंटे
सूर्यास्त	17:25:35 घंटे
दिनमान	11:09:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:54:43 मकर
लग्न के अंश	14:31:29 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	14:31:29	342:29:59	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मक	20:54:43	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	10:42:48	12:58:23	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	20:00:35	00:46:52	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			धनु	25:50:56	00:43:56	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	13:22:08	00:08:30	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	12:52:17	01:14:41	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			तुला	10:45:22	00:00:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	09:49:50	00:01:27	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	09:49:50	00:01:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	14:50:04	00:02:00	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
नेप			धनु	04:46:09	00:01:43	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
प्लूटो	व		तुला	05:54:40	00:00:06	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	27:14:16	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:59

लग्न-चलित

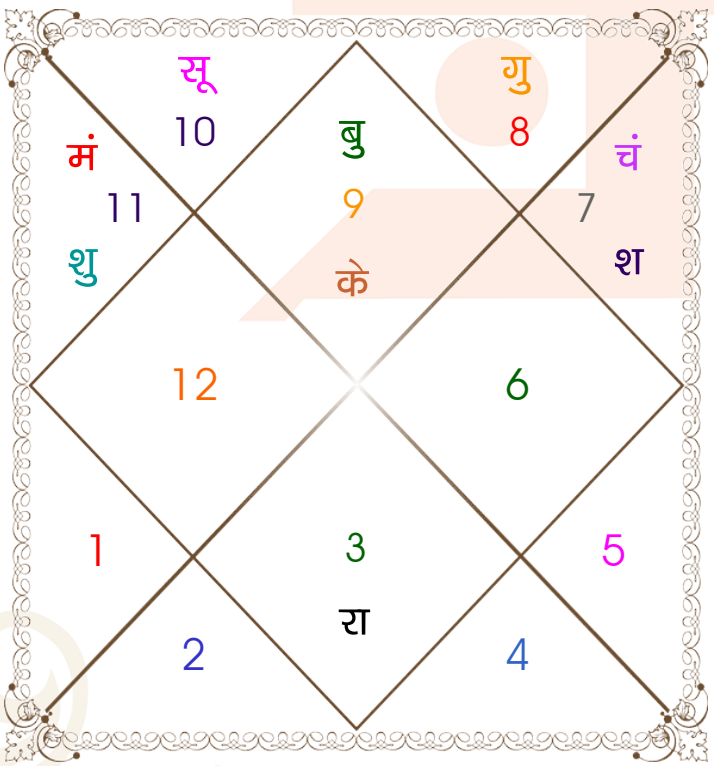

चन्द्र कुंडली

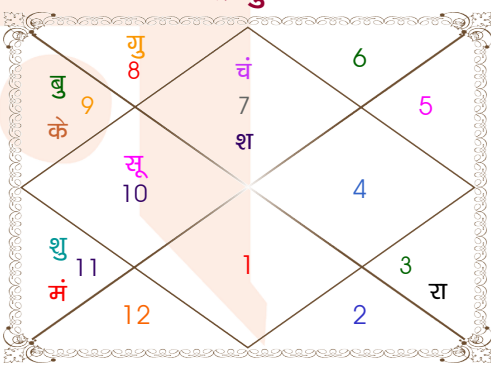

नवमांश कुंडली

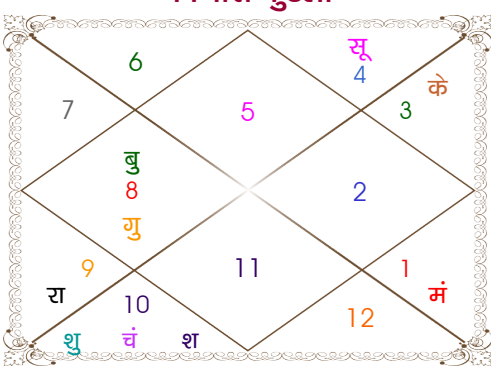

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 6 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/02/1983		19/08/1995		19/08/2011		19/08/2030		19/08/2047	
19/08/1995		19/08/2011		19/08/2030		19/08/2047		19/08/2054	
	00/00/0000	गुरु	06/10/1997	शनि	22/08/2014	बुध	14/01/2033	केतु	15/01/2048
	04/02/1983	शनि	18/04/2000	बुध	01/05/2017	केतु	11/01/2034	शुक्र	16/03/2049
शनि	31/07/1985	बुध	25/07/2002	केतु	10/06/2018	शुक्र	11/11/2036	सूर्य	22/07/2049
बुध	17/02/1988	केतु	01/07/2003	शुक्र	09/08/2021	सूर्य	18/09/2037	चंद्र	20/02/2050
केतु	07/03/1989	शुक्र	01/03/2006	सूर्य	22/07/2022	चंद्र	17/02/2039	मंगल	19/07/2050
शुक्र	07/03/1992	सूर्य	18/12/2006	चंद्र	21/02/2024	मंगल	14/02/2040	राहु	07/08/2051
सूर्य	29/01/1993	चंद्र	18/04/2008	मंगल	31/03/2025	राहु	03/09/2042	गुरु	13/07/2052
चंद्र	31/07/1994	मंगल	25/03/2009	राहु	05/02/2028	गुरु	09/12/2044	शनि	21/08/2053
मंगल	19/08/1995	राहु	19/08/2011	गुरु	19/08/2030	शनि	19/08/2047	बुध	19/08/2054

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/08/2054		19/08/2074		18/08/2080		19/08/2090		18/08/2097	
19/08/2074		18/08/2080		19/08/2090		18/08/2097		00/00/0000	
शुक्र	18/12/2057	सूर्य	06/12/2074	चंद्र	18/06/2081	मंगल	15/01/2091	राहु	02/05/2100
सूर्य	18/12/2058	चंद्र	07/06/2075	मंगल	18/01/2082	राहु	02/02/2092	गुरु	25/09/2102
चंद्र	18/08/2060	मंगल	13/10/2075	राहु	19/07/2083	गुरु	08/01/2093	शनि	05/02/2103
मंगल	18/10/2061	राहु	05/09/2076	गुरु	17/11/2084	शनि	17/02/2094		00/00/0000
राहु	18/10/2064	गुरु	25/06/2077	शनि	19/06/2086	बुध	14/02/2095		00/00/0000
गुरु	19/06/2067	शनि	07/06/2078	बुध	18/11/2087	केतु	13/07/2095		00/00/0000
शनि	19/08/2070	बुध	13/04/2079	केतु	18/06/2088	शुक्र	11/09/2096		00/00/0000
बुध	18/06/2073	केतु	19/08/2079	शुक्र	17/02/2090	सूर्य	17/01/2097		00/00/0000
केतु	19/08/2074	शुक्र	18/08/2080	सूर्य	19/08/2090	चंद्र	18/08/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 7 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु राशि में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल सिंह का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित था। धनु राशीय संबंधित जन्म प्रभाव की आकृति इस विषय की ओर इंगित करता है कि वास्तव में आपके जन्म का स्वरूप आपको सौभाग्यशाली होने का वरदान प्रदान करता है कि आप हर दृष्टिकोण से सुगमता पूर्वक अपने जीवन कक्ष में प्रवेश करके आप अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युक्त धन संपत्तिवान होकर, आनंदित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप अबाध गति से 28 वर्ष की आयु तक के सभी कार्यकलाप नियमित रखते रहे तो यह सत्य है कि आपकी आयु की अवधि जीवन का सबसे भाग्यशाली समय प्रमाणित होगा। यह आपके जीवन का महत्वपूर्ण कदम उठाना। आपके भाग्योदय के लिए यह समय उत्तम एवं उच्चस्तरीय धन, संपत्ति उपार्जन हेतु अनुकूल समय होगा। स्वाभाविक रूप से आपके लिए यह गर्व की बात होगी। परंतु कुछ समय के लिए आप अक्खरपन दिखाने वाले होंगे। परंतु आप यदि कोई अनुचित कार्य न करें, शेष सामाजिक न्यायपालक बन कर पूर्णरूपेण पत्नी एवं बच्चों से अच्छी प्रकार संबंधित होकर रहे तथा उनके लिए कुछ भी कोई भी त्याग करने हेतु तैयार रहे। आप सदैव अपने उन मित्रों के प्रति निष्ठावान रहते हो जो आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से किसी भी कल्याणकारी कार्य हेतु अर्थ दान करोगे।

आप व्यक्तिगत रूप से विश्वासी, सच्चा, ईमानदार, सबों पर सदैव विश्वास करने वाले तथा निष्कपट भाव से सबों पर विश्वास रखने वाले हैं। आप किसी भी सभा या सार्वजनिक स्थान पर सत्यभाषण करेंगे। जो अन्यों की अपेक्षा अरूचिकर नहीं होता है। आप असावधानी पूर्वक निष्पक्ष भाव से अपनी अप्रसन्नता अभिव्यक्ति कर देते हैं। फलस्वरूप आप अपनी पवित्र अभिरूचि को सार्वजनिक कर देते हैं। परंतु आप जिनसे संबद्ध रहते हो, उन्हें अपने सिद्धांत के अनुसार महत्व प्रदान करते हो।

आप अपनी कुशाग्र, बुद्धिमत्ता एवं सैद्धांतानुसार अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित कर अपनी योजना के प्रति अग्रिम रूप से कारवाई करते हैं। आप सच्ची भावना से कठिन कर्म हेतु प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कृत संकल्पित रहते हैं। आप आर्थिक लाभांश एवं सभी प्रकार के अभाव की पूर्ति हेतु आप कार्यानुरूप प्रस्तुत रहते हैं।

आप अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। आप एक बार लेखन, व्यवसाय, संपादन कार्य, पुस्तक प्रकाशन का कार्य, कंपनी लॉ, राजनीति अथवा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन कार्य से संबद्ध हो सकते है। अतः आप वैदेशिक लोगों से संबंध का विस्तार कर, दो बार वैदेशिक भ्रमण की व्यवस्था कर सकते है। आपका किसी भी प्रकार से किसी भी विषय में यथा सट्टेबाजी आदि में आसक्त हो जाना आपके लिए अनर्थकारी प्रमाणित होगा।

आपके लिए निम्नांकित निर्देशों का अनुपालन करना उत्तम एवं समृद्धिकारक है।

आप साप्ताहिक दिनों में महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल दिन मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक फलदायी एवं अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में लाभदायक रंग सफेद, क्रीम रंग, हरा, नारंगी, सूआपंखी एवं नीला रंग उपयुक्त है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग सर्वथा अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।